

## अध्याय ~14

# विराम-चिह्न

अपने भावों या विचारों को स्पष्ट करने के लिए हमें रुकना पड़ता है, यही विराम होता है। इस विराम को प्रकट करने के लिए हम विभिन्न विराम-चिह्नों का प्रयोग करते हैं। इस प्रकार की रुकावट या विराम, साँस लेने के अतिरिक्त अर्थ की स्पष्टता के लिए भी आवश्यक है।



- विराम का शाब्दिक अर्थ रुकना या ठहरना है। वाक्यों को लिखते समय उनमें विराम या ठहराव को जिन चिह्नों द्वारा प्रकट किया जाता है, उन्हें विराम-चिह्न (Punctuation) कहते हैं।
- विराम-चिह्न के प्रयोग से वाक्य अर्थपूर्ण एवं स्पष्ट हो जाता है। इनके अनुचित प्रयोग से अर्थ का अनर्थ भी हो जाता है; जैसे—
  - गाड़ी रोको मत, जाने दो।
  - गाड़ी रोको, मत जाने दो।
- उपर्युक्त उदाहरणों में अल्प-विराम का स्थान परिवर्तन होते ही वाक्यों के अर्थों में परिवर्तन हो गया। प्रथम वाक्य में रोको मत के बाद अल्प विराम लगाया गया है, जिसके द्वारा गाड़ी को न रोकने के लिए कहा गया है। दूसरे वाक्य में रोको के बाद अल्प विराम लगाया गया है, जिसका अर्थ प्रथम वाक्य के विपरीत हो गया है। यहाँ गाड़ी को रोकने के लिए कहा गया है।

अतः विराम-चिह्नों के विषय में व उनके प्रयोग के सन्दर्भ में पूर्ण जानकारी होना अत्यावश्यक है।

## प्रमुख विराम चिह्न

- उन्नीसवीं शताब्दी में पूर्वाब्द तक हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में विराम-चिह्नों के रूप में एक पाई (।) तथा दो पाई (।।) का प्रयोग होता था। कलकत्ता में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना के बाद अंग्रेजों के सम्पर्क में आने के कारण उन्नीसवीं शताब्दी के अन्त तक अंग्रेजी के ही बहुत-से विराम-चिह्न हिन्दी में आ गए।
- बीसवीं शताब्दी के आरम्भ से हिन्दी में विरामादि चिह्नों का व्यवस्थित प्रयोग होने लगा और आज हिन्दी व्याकरण में उन्हें पूर्ण मान्यता प्राप्त है।

### हिन्दी के प्रमुख विराम-चिह्न

नाम	चिह्न
पूर्ण विराम-चिह्न (Sign of full-stop)	।
अर्द्ध विराम-चिह्न (Sign of semi colon)	;
अल्प विराम-चिह्न (Sign of comma)	,
प्रश्नवाचक चिह्न (Sign of interrogation)	?
विस्मयादिबोधक चिह्न (Sign of exclamation)	!
उद्धरण चिह्न (Sign of inverted commas)	(" ") (' ')

नाम	चिह्न
निर्देशक (Sign of dash)	—
रेखा चिह्न (Sign of Line)	_____
विवरण चिह्न (Sign of colon dash)	:-
अपूर्ण विराम-चिह्न (Sign of colon)	:
योजक विराम-चिह्न (Sign of hyphen)	-
कोष्ठक (Brackets)	() {} []
संक्षेपसूचक/लाघव चिह्न (Sign of abbreviation)	o/,./
लोपसूचक चिह्न (Sign of elimination)	+ × + × + /.../----
प्रतिशत चिह्न (Sign of percentage)	%
समानतासूचक चिह्न (Sign of equality)	=
तारक चिह्न/पाद-टिप्पणी चिह्न (Sign of foot note)	*
त्रुटिबोधक चिह्न (Sign of error; indicator)	^

**नोट:** हिन्दी के विराम-चिह्नों में फुल स्टॉप (.) के अतिरिक्त शेष सभी विराम-चिह्न वही प्रयोग किए गए हैं, जो अंग्रेजी भाषा में हैं। हिन्दी में फुल स्टॉप के स्थान पर खड़ी पाई (।) का प्रयोग किया जाता है।

## विराम-चिह्नों का प्रयोग

नीचे दिए गए विराम-चिह्नों का प्रयोग हिन्दी भाषा में निम्न प्रकार किया जाता है

### पूर्ण विराम (।) का प्रयोग

पूर्ण विराम (Full Stop) का अर्थ है—भली-भाँति ठहरना। जहाँ वाक्य की गति अन्तिम रूप ले ले अर्थात् विचार के तार टूट जाएँ, वहाँ पूर्ण विराम का प्रयोग होता है।

हिन्दी में सबसे अधिक प्रयोग इस चिह्न का किया जाता है। सामान्यतः पूर्ण विराम का प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में होता है

- प्रश्नवाचक और विस्मयादिबोधक वाक्यों को छोड़कर शेष सभी वाक्यों के अन्त में पूर्ण विराम का प्रयोग होता है; जैसे—
  - यह पुस्तक अच्छी है। • गीता खेलती है।
  - बालक लिखता है।

2. किसी व्यक्ति या वस्तु का सजीव वर्णन करते समय वाक्यांशों के अन्त में भी पूर्ण विराम का प्रयोग होता है; जैसे—
  - मुस्कुराता चेहरा।
  - स्फूर्तिमय काया।
  - मनमोहक नेत्र।
3. मुख्यतः दोहा, श्लोक आदि की प्रथम पंक्ति में एक पूर्ण विराम (।) व दूसरी पंक्ति में दो पूर्ण विरामों (।।) का प्रयोग किया जाता है; जैसे—
  - परहित सरिस धरम नहिं भाई।
  - परपीड़ा सम नहिं अधमाई।।

### अर्द्ध विराम (;) का प्रयोग

अर्द्ध विराम (Semicolon) का अर्थ है—आधा विराम। जहाँ पूर्ण विराम की तुलना में कम रुकना होता है, वहाँ अर्द्ध विराम का प्रयोग होता है। सामान्यतः अर्द्ध विराम का प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में होता है

1. जहाँ संयुक्त वाक्यों के मुख्य उपवाक्यों में परस्पर विशेष सम्बन्ध नहीं होता है, वहाँ अर्द्ध विराम द्वारा उन्हें अलग किया जाता है; जैसे—
  - उसने अपने माल को बचाने के लिए अनेक उपाय किए, परन्तु वे सब निष्फल हुए।
2. मिश्र वाक्यों में प्रधान वाक्य के साथ पार्थक्य प्रकट करने के लिए अर्द्ध विराम का प्रयोग किया जाता है; जैसे—
  - जब मेरे पास रुपये होंगे; तब मैं आपकी सहायता करूँगा।
3. अनेक उपाधियों को एक साथ लिखने तथा उनमें पार्थक्य प्रकट करने के लिए इसका प्रयोग होता है; जैसे—
  - डॉ. अशोक जायसवाल, बी.ए.; पी.एच.डी.; डी.लिट्.

### अल्प विराम (,) का प्रयोग

अल्प विराम (Comma) का अर्थ है—न्यून ठहराव। वाक्य में जहाँ बहुत ही कम ठहराव होता है, वहाँ अल्प विराम का प्रयोग होता है। इस चिह्न का प्रयोग सर्वाधिक होता है। सामान्यतः अल्प विराम का प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में होता है

1. जहाँ एक तरह के अनेक शब्द, वाक्यांश या वाक्य एक साथ आते हैं, तब उनके बीच अल्प विराम का प्रयोग होता है। साथ ही अन्तिम शब्द से पूर्व 'और' का प्रयोग किया जाता है; जैसे—
  - रमेश, सुरेश, महेश और वीरेन्द्र घूमने गए।
2. जहाँ भावातिरेक के कारण वाक्य में शब्दों की पुनरावृत्ति होती है, वहाँ अल्प विराम का प्रयोग होता है; जैसे—
  - सुनो, सुनो, ध्यान से सुनो, कोई गा रहा है।
3. सम्बोधन के समय जिसे सम्बोधित किया जाता है, उसके बाद अल्प विराम का प्रयोग होता है; जैसे—
  - वीरेन्द्र, तुम यहीं ठहरो।
4. औपचारिक पत्रों में भी सम्बोधन से पूर्व अल्प विराम का प्रयोग किया जाता है; जैसे—महोदय, मान्यवर आदि।
5. जब हाँ अथवा नहीं को शेष वाक्य से पृथक् किया जाता है, तो उसके बाद अल्प विराम का प्रयोग होता है; जैसे—
  - हाँ, मैं कविता करूँगा।
6. पर, परन्तु, इसलिए, अतः, क्योंकि, बल्कि, तथापि, जिससे आदि समुच्चयबोधक शब्दों के पूर्व अल्प विराम का प्रयोग होता है; जैसे—
  - वह विद्यालय न जा सका, क्योंकि अस्वस्थ था।
7. उद्धरण से पूर्व 'कि' के लोप के लिए अल्प विराम का प्रयोग होता है; जैसे—
  - राम ने श्याम से कहा, “अपना काम करो।” (कि का लोप)

8. यह, वह, तब, तो, और, अब आदि के लोप होने पर वाक्य में अल्प विराम का प्रयोग होता है; जैसे—
  - जब जाना ही है, जाओ। (‘तो’ का लोप)
  - मैं जो बोलता हूँ, ध्यान से सुनो। (‘वह’ का लोप)
  - वह शहर से कब लौटेगा, कहा नहीं जा सकता। (‘यह’ का लोप)
9. बस, हाँ, नहीं, वस्तुतः, अच्छा, वास्तव में आदि से आरम्भ होने वाले वाक्यों में इनके पश्चात् अल्प विराम का प्रयोग होता है; जैसे—
  - वास्तव में, मनोबल सफलता की कुंजी है।
  - हाँ, मुझे ज्ञात है।
  - नहीं, रोहन को वहाँ नहीं जाना चाहिए था।
10. दिनांक के साथ महीने का नाम लिखने के बाद तथा सन्, संवत् के पूर्व अल्प विराम का प्रयोग किया जाता है; जैसे—
  - 2 अक्टूबर, 1869 ई. को गाँधी जी का जन्म हुआ।
11. अंकों को लिखते समय भी अल्प विराम का प्रयोग किया जाता है; जैसे— 5, 6, 7, 8, 10, 20, 30, 40, 50, 60, 70, 80, 90, 100, 1000 आदि।

### प्रश्नवाचक चिह्न (?) का प्रयोग

जब किसी वाक्य में प्रश्नात्मक भाव हो, उसके अन्त में प्रश्नवाचक चिह्न (?) लगाया जाता है। प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में होता है

1. प्रश्नवाचक चिह्न (Mark of Interrogation) का प्रयोग प्रश्नवाचक वाक्यों के अन्त में किया जाता है; जैसे—
  - तुम्हारा क्या नाम है?
  - वह कहाँ रहता है?
2. प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग अनिश्चय की स्थिति में किया जाता है; जैसे—
  - आप सम्भवतः दिल्ली के निवासी हैं?
3. व्यंग्य करने की स्थिति में भी प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग होता है; जैसे—
  - घूसखोरी नौकरशाही की सबसे बड़ी देन है, है न?
4. जहाँ शुद्ध-अशुद्ध का सन्देह उत्पन्न हो, तो उस पर या उसकी बगल में कोष्ठक लगाकर उसके अन्तर्गत प्रश्नवाचक चिह्न लगा दिया जाता है; जैसे—
  - हिन्दी की पहली कहानी 'ग्यारह वर्ष का समय' (?) मानी जाती है।

### ऐसे वाक्य जिनमें प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग नहीं होता

- अप्रत्यक्ष कथन वाले प्रश्नवाचक वाक्यों के अन्त में प्रश्नवाचक चिह्न नहीं लगाया जाता; जैसे—
  - मैं यह नहीं जानता कि मैं क्या चाहता हूँ।
- जिन वाक्यों में प्रश्न आज्ञा के रूप में हों, उन वाक्यों में प्रश्नवाचक चिह्न नहीं लगाया जाता है; जैसे—
  - महाराष्ट्र की राजधानी बताओ।

### विस्मयादिबोधक चिह्न (!) का प्रयोग

आश्चर्य, करुणा, घृणा, भय, विषाद, विस्मय आदि भावों की अभिव्यक्ति के लिए विस्मयादिबोधक चिह्न (Mark of Exclamation) का प्रयोग होता है। इसका प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में होता है

- विस्मयादिबोधक चिह्न का प्रयोग हर्ष, घृणा, आश्चर्य आदि भावों को व्यक्त करने वाले शब्दों के साथ होता है; जैसे—
  - अरे! वह अनुत्तीर्ण हो गया।
  - वाह! तुम धन्य हो।
- विनय, व्यंग्य, उपहास इत्यादि के व्यक्त करने वाले वाक्यों के अन्त में पूर्ण विराम के स्थान पर विस्मयादिबोधक चिह्न का प्रयोग होता है; जैसे—
  - आप तो हरिश्चन्द्र हैं! (व्यंग्य)
  - हे भगवान! दया करो! (विनय)
  - वाह! वाह! फिर साइकिल चलाइए! (उपहास)

### उद्धरण चिह्न (‘....’) (‘....’) का प्रयोग

उद्धरण चिह्न (Inverted Commas) दो प्रकार के होते हैं—इकहरे (‘....’) और दोहरे (‘....’) उद्धरण चिह्नों का प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में होता है

- किसी लेख, कविता, समाचार-पत्र और पुस्तक इत्यादि का शीर्षक लिखने में इकहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग होता है; जैसे—
  - मैंने तुलसीदास जी कृत ग्रंथ ‘रामचरितमानस’ पढ़ा है।
- जब किसी शब्द की विशिष्टता अथवा विलगता सूचित करनी होती है, तो इकहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग होता है; जैसे—
  - खाना का अर्थ ‘घर’ होता है।
- उद्धरण के अन्तर्गत कोई दूसरा उद्धरण होने पर इकहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग होता है; जैसे—
  - डॉ. वर्मा ने कहा है, “निराला जी की कविता ‘वह तोड़ती पत्थर’ बड़ी मार्मिक है।”
- जब किसी कथन या वाक्य को उसकी यथास्थिति या उसके पूर्व की स्थिति (ज्यों का त्यों) में ही प्रयोग किया जाता है, तब दोहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग होता है; जैसे—
  - सरदार पूर्णसिंह का कथन है “हल चलाने वाले और भेड़ चराने वाले स्वभाव से ही साधु होते हैं।”

### निर्देशक (—) का प्रयोग

किसी विषय-विचार अथवा विभाग के मन्तव्य को सुस्पष्ट करने के लिए निर्देशक चिह्न (Dash) या रेखिका चिह्न का प्रयोग किया जाता है। निर्देशक चिह्न सामान्यतः योजक चिह्न से बड़ा होता है। निर्देशक या रेखिका का प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में होता है

- किसी के द्वारा कहे गए कथन या लिखे गए कथन से पहले रेखिका का प्रयोग किया जाता है; जैसे—
  - तुलसी ने कहा है—“परहित सरिस धरम नहिं भाई।”
- विवरण प्रस्तुत करने के पहले निर्देशक (रेखिका) का प्रयोग किया जाता है; जैसे—
  - रचना के आधार पर शब्द तीन प्रकार के होते हैं—रूढ़, यौगिक और योगरूढ़।
- जैसे, यथा और उदाहरण आदि शब्दों के बाद रेखिका का प्रयोग होता है; यथा-उदाहरण—
  - संस्कृति की ‘स’ ध्वनि फ़ारसी में ‘ह’ हो जाती है; जैसे—असुर > अहुर।
- वाक्य में टूटे हुए विचारों को जोड़ने के लिए रेखिका का प्रयोग होता है; जैसे—
  - आज ऐसा लग रहा है—मैं घर पहुँच गया हूँ।

- किसी कविता या अन्य रचना के अन्त में रचनाकार का नाम देने से पूर्व रेखिका का प्रयोग होता है; जैसे—
  - शायद समझ नहीं पाओ तुम, मैं कितना मज़बूर हूँ।  
मन है पास तुम्हारे लेकिन, रहता इतनी दूर हूँ।—**ऑंकारनाथ वर्मा**
- संवादों को लिखने के लिए निर्देशक चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे—
  - सुरेश— क्या तुम स्कूल आओगे?
  - रमेश— हाँ।
- सूची बनाने से पूर्व भी निर्देशक चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे—
  - प्रतियोगिता में सफल होने वाले विद्यार्थियों की सूची इस प्रकार है—सुमित, राघव, मोहन और रोहित।

### रेखा चिह्न (—)

जिन शब्दों पर विशेष रूप से बल दिया जाता है या शब्दों को अलग से प्रदर्शित करने के लिए उनके नीचे एक लम्बी रेखा खींच दी जाती है जैसे—कोरोना वायरस का प्रकोप जारी है।

### विवरण चिह्न (:—) का प्रयोग

सामान्यतः विवरण चिह्न (Sign of Colon Dash) का प्रयोग निर्देशक चिह्न की भाँति ही होता है। विशेष रूप से जब किसी विवरण को प्रारम्भ करना होता है अथवा किसी कथन को विस्तार देना होता है तब विवरण चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे—

- निम्नलिखित विषयों में किसी एक पर निबन्ध लिखिए :—
  - (क) साहित्य और समाज (ख) भाषा और व्याकरण (ग) देशाटन (घ) विज्ञान वरदान है या अभिशाप (ङ) नई कविता।
- जयशंकर प्रसाद ने कहा है:—‘जीवन विश्व की सम्पत्ति है।’
- किसी वस्तु का सविस्तार वर्णन करने में विवरण चिह्न का प्रयोग होता है; जैसे:— इस देश में कई बड़ी-बड़ी नदियाँ हैं; जैसे:— गंगा, सिन्धु, यमुना, गोदावरी आदि।

### अपूर्ण विराम (:) का प्रयोग

अपूर्ण विराम (Sign of Colon) चिह्न विसर्ग की तरह दो बिन्दुओं के रूप में होता है, इसलिए कभी-कभी विसर्ग का भ्रम होता है, फलतः इसका प्रयोग कम होता है। अपूर्ण विराम का स्वतन्त्र प्रयोग किसी शीर्षक को उसी के आगे स्पष्ट करने में होता है; जैसे—

- कामायनी : एक अध्ययन।
- विज्ञान : वरदान या अभिशाप

### योजक चिह्न (—) का प्रयोग

दो शब्दों में परस्पर सम्बन्ध स्पष्ट करने के लिए तथा उन्हें जोड़कर लिखने के लिए योजक चिह्न का प्रयोग किया जाता है। योजक चिह्न को विभाजक चिह्न भी कहते हैं। हिन्दी में अल्प विराम के बाद योजक चिह्न का अधिक प्रयोग होता है।

योजक चिह्न (Sign of Hyphen) का प्रयोग निम्नलिखित परिस्थितियों में किया जाता है

- दो विलोम शब्दों के बीच योजक चिह्न का प्रयोग होता है; जैसे—
  - रात-दिन, यश-अपयश, आना-जाना।
- द्वन्द्व समास के बीच योजक चिह्न का प्रयोग होता है; जैसे—
  - माता-पिता, भाई-बहन, गुरु-शिष्य।

3. दो समानार्थी शब्दों की पुनरुक्ति के बीच में भी इसका प्रयोग होता है; जैसे—घर-घर, रात-रात्रि, धन-दौलत, रुपया-पैसा।
4. जब विशेषण पदों का प्रयोग संज्ञा के अर्थ में होता है; जैसे—
  - भूखा-प्यासा, थका-माँदा, लूला-लँगड़ा
5. गुणवाचक विशेषण के साथ यदि **सा, सी** का संयोग हो, तो उनके बीच योजक-चिह्न का प्रयोग होता है; जैसे—
  - छोटा-सा घर, नन्हीं-सी बच्ची, बड़ा-सा कष्ट।
6. दो प्रथम-द्वितीय प्रेरणार्थक के योग के बीच भी योजक चिह्न का प्रयोग होता है; जैसे—
  - करना-करवाना      • जीतना-जितवाना
  - पीना-पिलवाना

### कोष्ठक ( ), { }, [ ] का प्रयोग

कोष्ठकों (Sign of Brackets) का प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में होता है

1. जब किसी भाव या शब्द की व्याख्या करना चाहते हैं, किन्तु उस अंश को मूल वाक्य से अलग ही रखना चाहते हैं, तो छोटे कोष्ठक ( ) का प्रयोग किया जाता है। साथ ही छोटे कोष्ठक ( ) का प्रयोग कठिन शब्दों के अर्थ को स्पष्ट करने के लिए भी किया जाता है; जैसे—
  - उन दिनों मैं सेठ जयदयाल हाईस्कूल (अब इण्टर कॉलेज) में हिन्दी अध्यापक था।
  - अर्जुन, कर्ण के सामर्थ्य (शक्ति) से भली-भाँति परिचित था।
2. नाटक या एकांकी में निर्देश देने के लिए कोष्ठक का प्रयोग होता है; जैसे—
  - मन्त्री (राजा से धीरे से) - यह व्यक्ति जासूस प्रतीत होता है।
  - रोहन कक्षा में प्रवेश करता है (चेहरे पर हल्की मुस्कान के साथ)
3. किसी वर्ग के उपवर्गों, विषय, विभाग को लिखते समय वर्णों या संख्याओं को कोष्ठक में लिखा जाता है; जैसे—
  - (क)(ख)      • (1)(2)      • 1. 2.
4. प्रायः बड़े [ ] और मझोले { } कोष्ठकों का उपयोग गणित के कोष्ठक वाले प्रश्नों को हल करने के लिए किया जाता है।

### संक्षेपसूचक/लाघव चिह्न (o) का प्रयोग

संक्षेपसूचक चिह्न (Sign of Abbreviation) का प्रयोग किसी नाम या शब्द के संक्षिप्त रूप के साथ होता है; जैसे—डॉक्टर के लिए (डॉ.), प्रोफेसर या प्रोप्राइटर के लिए (प्रो.), पण्डित के लिए (पं.), मास्टर ऑफ आर्ट्स के लिए (एम.ए.) और डॉ. ऑफ फिलॉसफी के लिए (पी-एच.डी.) आदि।

(शून्य अधिक स्थान घेरता है, अतः इसके स्थान पर बिन्दु (.) का भी प्रयोग किया जाता है।)

### लोपसूचक चिह्न (× × × ×/..../-) का प्रयोग

जब किसी अवतरण का पूरा उद्धरण न देकर कुछ अंश छोड़ दिया जाता है, तब लोपसूचक चिह्न (Mark of Omission) का प्रयोग किया जाता है; जैसे—

- सच-सरासर-सच, आज देश का हर नेता ..... है।
- मैं टिकट ले आऊँगा पर ---- मैं साथ नहीं चलूँगा।

### प्रतिशत चिह्न (%) का प्रयोग

सौ (100) संख्या के अन्तर्गत, जिस संख्या को प्रदर्शित करना होता है, उसके आगे प्रतिशत चिह्न (Percentage) का प्रयोग किया जाता है; जैसे—

- सभा में 25% स्त्रियाँ थीं।
- 30% छूट के साथ पुस्तक की 50 प्रतियाँ भेज दें।

### समानतासूचक/तुल्यतासूचक चिह्न ( = ) का प्रयोग

किसी शब्द का अर्थ अथवा भाषा के व्याकरणिक विश्लेषण में समानता सूचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे—

- कृतघ्न = उपकार न मानने वाला।
- अग्रज = जो पहले जन्मा हो।

### तारक/पाद चिह्न ( \* ) का प्रयोग

किसी विषय के बारे में विशेष सूचना या निर्देश देना हो, तो ऊपर तारक चिह्न लगा दिया जाता है और फिर पृष्ठ के अधोभाग में रेखा के नीचे तारक चिह्न लगाकर उसका विवरण दिया जाता है, जिसे पाद-टिप्पणी (Foot Note) कहा जाता है; जैसे—

- रामचरितमानस\* हमारे देश में अत्यन्त लोकप्रिय ग्रन्थ है।

\* रामचरितमानस से हमारा तात्पर्य तुलसीदास विरचित राम-कथा पर आधारित महाकाव्य से है।

### त्रुटिबोधक या हंसपद चिह्न ( ^ ) का प्रयोग

अक्षर, पद, पद्यांश या वाक्य के छूट जाने पर छूटे अंश को उस वाक्य के ऊपर लिखने हेतु वाक्य के अंश के नीचे त्रुटि या हंसपद चिह्न (Sing of Caret) का प्रयोग किया जाता है; जैसे—

- राम ने खाना <sup>नहीं</sup> खाया।
- 2 अक्टूबर को गाँधी <sup>जयंती</sup> होती है।

### गौण विराम चिह्न

- **पुनरुक्तिसूचक** (Mark of Repetition) (,, ,,) इस चिह्न का प्रयोग ऊपर लिखे किसी शब्द या वाक्य की पुनरुक्ति से बचने के लिए किया जाता है; जैसे—राकेश तिवारी, कक्षा सातवीं  
राकेश " " "
- **योग चिह्न** (Plus Mark) (+) इस चिह्न का प्रयोग दो या अधिक शब्दों को जोड़ने में किया जाता है। विशेषकर सन्धि को दर्शाने तथा शब्द की व्युत्पत्ति बताने में इसका प्रयोग होता है; जैसे—सूर्य + उदय, उप + मान आदि।
- **गोली** (Bullet) (•) इस चिह्न का प्रयोग मुख्य बात या तथ्यों को सारांश रूप देने में किया जाता है; जैसे—• 'रामचरितमानस' तुलसीदास की प्रसिद्ध रचना है।
- **तिर्यक रेखा** (Oblique/Slash) (/) इस चिह्न का प्रयोग 'या, अथवा' के अर्थ में तथा कविता की पंक्ति को अलग-अलग करने में होता है; जैसे—रति/अनुराग।
- **समाप्तिसूचक** (Finish Mark) (—o—, •••, \*\*\* , □ □ □) इस चिह्न का प्रयोग बड़े लेख, कहानी, अध्याय या पुस्तक की समाप्ति का बोध कराने में होता है; जैसे—इस तरह कहानी का अन्त सुखद रहा। —o—

# वस्तुनिष्ठ प्रश्नावली

1. नीचे लिखे वाक्यों में से किसमें विराम-चिह्नों का सही प्रयोग हुआ है?  
(UKTET 2011)

- (a) हाँ, मैं सच कहता हूँ बाबूजी। माँ बीमार है। इसलिए मैं नहीं गया।  
(b) हाँ मैं सच कहता हूँ। बाबूजी, माँ बीमार है। इसलिए मैं नहीं गया।  
(c) हाँ, मैं सच कहता हूँ, बाबू जी, माँ बीमार है, इसलिए मैं नहीं गया।  
(d) हाँ, मैं सच कहता हूँ, बाबू जी। माँ बीमार है इसलिए मैं नहीं गया।

2. विरामादि चिह्नों की दृष्टि से कौन-सा वाक्य शुद्ध है? (UKTET 2011)

- (a) पिता ने पुत्र से कहा—देर हो रही है, कब आओगे  
(b) पिता ने पुत्र से कहा—देर हो रही है, कब आओगे?  
(c) पिता ने पुत्र से कहा—“देर हो रही है, कब आओगे?”  
(d) पिता ने पुत्र से कहा, “देर हो रही है कब आओगे।

3. जहाँ वाक्य की गति अन्तिम रूप ले ले, विचार के तार एकदम टूट जाएँ, वहाँ किस चिह्न का प्रयोग किया जाता है?

- (a) योजक (b) उद्धरण चिह्न  
(c) अल्प विराम (d) पूर्ण विराम

4. किस वाक्य में विरामादि चिह्नों का सही प्रयोग हुआ है?

- (a) आप मुझे नहीं जानते! महीने में मैं दो दिन ही व्यस्त रहता हूँ।  
(b) आप, मुझे नहीं जानते? महीने में मैं, दो दिन ही व्यस्त रहता हूँ।  
(c) आप मुझे, नहीं जानते, महीने में मैं! दो दिन ही व्यस्त रहता हूँ।  
(d) आप मुझे नहीं, जानते; महीने में मैं दो दिन ही व्यस्त रहता हूँ?

5. किस वाक्य में विरामादि चिह्नों का सही प्रयोग हुआ है?

- (a) मैं मनुष्य में, मानवता देखना चाहता हूँ। उसे देवता बनाने की मेरी इच्छा नहीं।  
(b) मैं मनुष्य में मानवता देखना चाहता हूँ। उसे देवता बनाने की, मेरी इच्छा नहीं।  
(c) मैं मनुष्य में मानवता, देखना चाहता हूँ। उसे देवता बनाने की मेरी इच्छा नहीं।  
(d) मैं, मनुष्य में मानवता देखना चाहता हूँ। उसे देवता बनाने की मेरी इच्छा नहीं।

6. पूर्ण विराम के स्थान पर एक अन्य चिह्न भी प्रचलित है, वह है

- (a) अल्प विराम (b) योजक चिह्न (c) फुलस्टॉप (d) विवरण चिह्न

7. जब से हिन्दी में अन्तर्राष्ट्रीय अंकों 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 0 का प्रयोग आरम्भ हुआ, तब से '1' के स्थान पर किसका प्रयोग होने लगा है?

- (a) अर्द्ध विराम (b) अल्प विराम (c) विस्मयादिबोधक (d) फुलस्टॉप

8. प्रश्नवाचक तथा विस्मयादिबोधक को छोड़कर सभी वाक्यों के अन्त में प्रयुक्त होता है

- (a) पूर्ण विराम (b) अर्द्ध विराम (c) उद्धरण चिह्न (d) विवरण चिह्न

9. किस वाक्य में विराम-चिह्नों का सही प्रयोग हुआ है?

- (a) राम, मोहन, घर, पर्वत; संज्ञाएँ। यह, वह, तुम, मैं; सर्वनाम। लिखना, गाना, दौड़ना; क्रियाएँ।  
(b) राम, मोहन, घर, पर्वत संज्ञाएँ; यह, वह, तुम, मैं सर्वनाम; लिखना, गाना, दौड़ना क्रियाएँ  
(c) राम-मोहन, घर-पर्वत संज्ञाएँ! यह-वह-तुम-मैं सर्वनाम! लिखना-गाना-दौड़ना संज्ञाएँ।  
(d) राम मोहन घर पर्वत संज्ञाएँ। यह वह तुम मैं सर्वनाम। लिखना, गाना, दौड़ना क्रियाएँ।

10. जहाँ पूर्ण विराम की अपेक्षा कम रुकना अपेक्षित हो, वहाँ ..... चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

- (a) अर्द्ध विराम (b) अल्प विराम  
(c) संक्षेप चिह्न (d) कोष्ठक

11. ऐसे उपवाक्यों के बीच जो परस्पर सम्बद्ध होने पर भी स्वतन्त्र वाक्य प्रतीत होते हैं, वहाँ किस चिह्न का प्रयोग होता है?

- (a) पूर्ण विराम (b) अर्द्ध विराम  
(c) अल्प विराम (d) निर्देश चिह्न

12. जहाँ पर अल्प विराम के प्रयोग से भ्रान्ति होने की सम्भावना हो, वहाँ पर किस चिह्न का प्रयोग अनिवार्य हो जाता है?

- (a) अर्द्ध विराम (b) विस्मयादिबोधक  
(c) प्रश्नवाचक (d) योजक

13. पूर्ण विराम के बाद सर्वाधिक प्रयुक्त होने वाला विराम-चिह्न है

- (a) विस्मयादिबोधक (b) प्रश्नवाचक  
(c) अल्प विराम (d) अर्द्ध विराम

14. वाक्य में जहाँ सबसे कम रुकना पड़ता हो, वहाँ प्रयुक्त होता है

- (a) विवरण निर्देश (b) निर्देश चिह्न  
(c) अर्द्ध विराम (d) अल्प विराम

15. एक ही वाक्य या वाक्यांश में एक ही तरह के पद, शब्द, पदबन्ध या वाक्यांश एक साथ आने पर ..... लगाया जाता है।

- (a) अल्प विराम (b) अर्द्ध विराम  
(c) पूर्ण विराम (d) विस्मयादिबोधक

16. निषेधसूचक 'नहीं' और स्वीकारसूचक 'हाँ' के बाद कुछ लिखना हो, तो कौन-सा चिह्न प्रयुक्त किया जाएगा?

- (a) पूर्ण विराम (b) अल्प विराम  
(c) अर्द्ध विराम (d) इनमें से कोई नहीं

17. समुच्चयबोधक अव्यय का लोप होने पर प्रयुक्त होता है

- (a) पूर्ण विराम (b) अर्द्ध विराम  
(c) अल्प विराम (d) अविराम

**निर्देश** (प्र.सं. 18 से 22 तक) प्रत्येक प्रश्न में जिस विकल्प में विराम-चिह्नों का सही प्रयोग हुआ है, उसका चयन कीजिए।

18. (a) कह सकते हैं कि वाक्य, अनुशासित शब्दों की व्यवस्थित कड़ी है।

(b) कह सकते हैं, “कि वाक्य अनुशासित शब्दों की कड़ी है!”

(c) कह सकते हैं कि; वाक्य अनुशासित शब्दों की कड़ी है।

(d) कह सकते हैं—कि वाक्य अनुशासित शब्दों-की-कड़ी है।

19. (a) घर जाकर, उसने नहाया। कपड़े धोए। और सारे घर की सफाई की।

(b) घर जाकर उसने नहाया, कपड़े धोए और सारे घर की सफाई की।

(c) घर जाकर उसने—नहाया—कपड़े—धोए और, सारे घर की सफाई की।

(d) घर, जाकर, उसने नहाया; कपड़े धोए और सारे घर की सफाई की

20. (a) राम की पत्नी दोनों बच्चे और नौकर घूमने गए हैं।

(b) राम की पत्नी : दोनों बच्चे : और नौकर घूमने गए हैं।

(c) राम की पत्नी, दोनों बच्चे और नौकर घूमने गए हैं।

(d) राम, की पत्नी दोनों, बच्चे और नौकर, घूमने गए हैं।



21. (a) जीना, मरना, सुख, दुःख, हानि, लाभ और होनी, अनहोनी लगे ही रहते हैं।  
(b) जीना मरना; सुख दुःख; हानि लाभ और होनी, अनहोनी; लगे ही रहते हैं।  
(c) जीना मरना, सुख दुःख, हानि-लाभ और होनी-अनहोनी लगे ही रहते हैं।  
(d) जीना-मरना, सुख-दुःख, हानि-लाभ और होनी, अनहोनी लगे ही रहते हैं।
22. (a) नहीं, यह मुझसे न होगा। (b) नहीं यह, मुझसे न होगा।  
(c) नहीं! यह मुझसे न होगा? (d) नहीं! यह मुझसे न होगा
23. एक व्यक्ति से प्रश्न किए जाने पर उत्तर नहीं मिलता या गलत उत्तर मिलता है तो दूसरे से प्रश्न किए जाने पर वाक्यांश में कौन-सा चिह्न लगाया जाता है?  
(a) प्रश्नवाचक (b) विस्मयवाचक  
(c) पूर्ण विराम (d) अर्द्ध विराम
24. विनय, व्यंग्य, उपहास को व्यक्त करने के लिए किस विराम-चिह्न का प्रयोग किया जाता है?  
(a) प्रश्नवाचक (b) विस्मयादिबोधक  
(c) पूर्ण विराम (d) अल्प विराम
25. दो विपरीतार्थक शब्दों के बीच किस चिह्न का प्रयोग होता है?  
(a) योजक (b) विस्मयादि (c) अल्प विराम (d) अर्द्ध विराम
26. जब दो शब्दों में एक सार्थक और दूसरा निरर्थक हो तब वहाँ लगाया जाता है  
(a) उद्धरण चिह्न (b) योजक चिह्न  
(c) प्रश्नवाचक चिह्न (d) विस्मयादिसूचक चिह्न
27. जब दो संयुक्त क्रियाएँ एक साथ प्रयुक्त हों तो कौन-सा चिह्न लगाया जाता है?  
(a) अल्प विराम (b) पूर्ण विराम  
(c) योजक (d) इनमें से कोई नहीं
28. किस वाक्य में विराम-चिह्न का गलत प्रयोग हुआ है?  
(RPSC पुलिस सब-इंस्पेक्टर परीक्षा 2011)  
(a) बुद्ध ने घर-घर जाकर उपदेश दिए  
(b) उसके पास कपड़ा-लत्ता कुछ है भी या नहीं  
(c) विराम-चिह्नों का प्रयोग सही नहीं हुआ है  
(d) पिता-पुत्र में झगड़ा हो गया
29. निम्न में से कौन-सा विराम-चिह्न अंग्रेजी भाषा में प्रचलित नहीं है?  
(a) ; (b) , (c) ! (d) |
30. निम्नलिखित में से कौन-सा योजक चिह्न है? (UPTET 2019)  
(a) | (b) , (c) - (d) ""
31. विराम-चिह्न की दृष्टि से कौन-सा वाक्य अशुद्ध है? (UPTET 2018)  
(a) नहीं कल मैं तुम्हारे घर नहीं आ सकूँगा।  
(b) मैं क्या कहता?  
(c) महक रागिनी, श्वेता आदि भी आई हैं; ये सब अब गाना गाएँगी।  
(d) उसने पूछा, "तुम कहाँ थे?"
32. विराम चिह्न (;) का नाम है (UPTET 2011)  
(a) अर्द्धविराम (b) विराम (c) अल्पविराम (d) हंसपद
33. विराम-चिह्न के सत्य युग्म का चयन कीजिए (UK 'समूह-घ' परीक्षा 2019)  
(a) विस्मय सूचक - (!) (b) इत्यादि-चिह्न - (.....)  
(c) अर्द्ध विराम - (;) (d) ये सभी
34. सामासिक पदों/पुनरुक्त/युग्म शब्दों के मध्य प्रयोग किया जाता है। (UPSSSC Pre 2016)  
(a) अल्प विराम (b) अर्द्ध विराम  
(c) योजक चिह्न (d) उद्धरण चिह्न
35. विराम-चिह्न की दृष्टि से कौन-सा वाक्य अशुद्ध है? (UPTET 2018)  
(a) वह ईमानदार, परिश्रमी, कर्मठ और मृदुभाषी है।  
(b) उसके पास धन-वैभव, नौकर-चाकर आदि सभी कुछ था।  
(c) हाँ मेरा यही विचार है।  
(d) आप हमारे घर आना चाहते हैं, तो आइए ठहरना चाहते हैं, तो उठरिए।
36. आकाश-पाताल के बीच लगने वाला (-) चिह्न है (UPTET 2018)  
(a) अल्पविराम (b) विस्मयादिबोधक  
(c) योजक चिह्न (d) उद्धरण चिह्न
37. निम्नलिखित वाक्य में एक विराम चिह्न का लोप है वह विराम चिह्न कौन-सा है? वाक्य है (CGTET 2011)  
आप एक ऐसे मनुष्य की खोज कराइए, जिसने कभी दुःख का नाम न सुना हो  
(a) अर्द्ध विराम (b) आश्चर्यसूचक  
(c) अल्पविराम (d) पूर्णविराम
38. किसी कठिन शब्द को स्पष्ट करने के लिए किस विराम चिह्न का प्रयोग होता है (REET 2011)  
(a) विवरण चिह्न (b) निर्देशक  
(c) कोष्ठक (d) उप विराम
39. किसी के कथन को उद्धृत करते समय किस विराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है? (REET 2011)  
(a) विस्मयादिबोधक (b) अवतरण का उद्धरण चिह्न  
(c) प्रश्नवाचक चिह्न (d) निर्देशक चिह्न

## उत्तरमाला

1. (c)	2. (c)	3. (d)	4. (a)	5. (b)	6. (c)	7. (d)	8. (a)	9. (b)	10. (a)
11. (b)	12. (a)	13. (c)	14. (d)	15. (a)	16. (b)	17. (c)	18. (a)	19. (b)	20. (c)
21. (c)	22. (a)	23. (c)	24. (b)	25. (a)	26. (b)	27. (d)	28. (c)	29. (d)	30. (c)
31. (a)	32. (a)	33. (d)	34. (c)	35. (c)	36. (c)	37. (d)	38. (c)	39. (b)	